नवनिर्माण

आकलन [PAGE 3]

आकलन | Q 1 | Page 3

कृति पूर्ण कीजिए :

बल इसके लिए होता है

Solution: (१) पीड़ित को बचाने के लिए
(२) सताए हुए को न्याय दिलाने के लिए

आकलन | Q 2 | Page 3

कृति पूर्ण कीजिए :

जिसे मंजिल का पता रहता है वह

Solution: (१) पथ के संकट को सहता है।
(२)सिद्धि के शिखर पर पहुँचकर अपना इतिहास कहता है।

शब्द संपदा [PAGE 3]

शब्द संपदा | Q 1 | Page 3

निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गयुक्त शब्द तैयार कर उनका अर्थपूर्णवाक्य में प्रयोग कीजिए :

नीति - _____

Solution: उपसर्गयुक्त शब्द - अनीति।
वाक्य : अनीति के मार्ग पर नहीं चलना चाहिए।

शब्द संपदा | Q 2 | Page 3

निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गयुक्त शब्द तैयार कर उनका अर्थपूर्णवाक्य में प्रयोग कीजिए :

बल - _____

Solution: शब्द : निर् + बल = निर्बल।
वाक्य : निर्बल को सताना नहीं चाहिए।

अभिव्यक्त [PAGE 3]

अभिव्यक्त | Q 1 | Page 3

'धरती सेजुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है', इस विषय पर अपना मत प्रकट कीजिए ।

Solution:

लक्ष्य का अर्थ है निर्धारित उद्देश्य, जिसे प्राप्त करने के लिए गंभीरता पूर्वक नजर रखी जाए और उसे अर्जित करने के लिए यथासंभव प्रयास किया जाए। हर व्यक्ति का अपने-अपने ढंग से लक्ष्य निर्धारण करने और उसे अर्जित करने का अपना तरीका होता है। कोई इसे हल्के-फुल्के ढंग से लेता है और बड़े से बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर लेता है। ऐसे लक्ष्य क्षमता की कमी और अपर्याप्त साधन के अभाव में कभी पूरे नहीं हो पाते। जो व्यक्ति अपनी क्षमता और अपने पास उपलब्ध संसाधनों के अनु सार लक्ष्य का निर्धारण और उसकी पूर्ति के लिए तन-मन-धन से प्रयास करता है, वह व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अवश्य सफल होता है। ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति जमीन से जुड़े हुए होते हैं और समझ-बूझ कर अपना लक्ष्य निर्धारित करते तथा उसके निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

अभिव्यक्त | Q 2 | Page 3

'समाज का नवनिर्माण और विकास नर-नारी के सहयोग सेही संभव है', इसपर अपने विचार लिखिए ।

Solution:

हमारा समाज विभिन्न प्रकार की कुरीतियों और समस्याओं से भरा हुआ है। अनेक समाज सुधारकों के कठिन परिश्रम के बावजूद आज भी हमारे समाज में अनेक प्रकार की विषमताएँ व्याप्त हैं। असमानता, जातीयता, सांप्रदायिकता, प्रांतीयता, अस्पृश्यता आदि समस्याओं के कारण समाज के नर-नारी दोनों समान रूप से व्यथित हैं। जब तक हमारे समाज से ये बुराइयाँ दूर नहीं होती, तब तक समाज का नव निर्माण और विकास होना असंभव है। नर-नारी दोनों रथ के दो पहियों के समान हैं। बिना दोनों के सहयोग से आगे बढ़ना मुश्किल है। समाज की अनेक समस्याएँ ऐसी हैं, जिनके बारे में नारी को नर से अधिक जानकारियाँ होती हैं। नर-नारी दोनों कंधे से कंधा मिलाकर समाज उत्थान के कार्य में जुटेंगे, तभी समाज का नव निर्माण और विकास संभव हो सकता है।

रसास्वादन [PAGE 3]

रसास्वादन | Q 1 | Page 3

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर चतुष्पादियों का रसास्वादन कीजिए :

(१) रचनाकार का नाम - _____

(२) पसंद की पंक्तियाँ - _____

(३) पसंद आने के कारण - _____

(4) कविता का केंद्रीय भाव - _____

Solution: (१) रचनाकार का नाम - नवनिर्माण।

(२) पसंद की पंक्तियाँ - कविता की पसंद की पंक्तियाँ इस प्रकार हैं:
जिसको मंजिल का पता रहता है,
पथ के संकट को वही सहता है,
एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठ
अपना इतिहास वही कहता है।

(३) पसंद आने के कारण - प्रस्तुत पंक्तियों में यह बात कही गई है कि एक बार अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लेने के बाद मनुष्य को हर समय उसको पूरा करने के काम में जी-जान से लग जाना चाहिए। फिर मार्ग में कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, उन्हें सहते हुए निरंतर आगे ही बढ़ते रहना चाहिए। एक दिन ऐसे व्यक्ति को सफलता मिलकर ही रहती है। ऐसे ही व्यक्ति लोगों के आदर्श बन जाते हैं। लोग उनका गुणगान करते है और उनसे प्रेरणा लेते हैं।

(४) कविता का केंद्रीय भाव - प्रस्तुत कविता में संघर्ष करने, अत्याचार, विषमता तथा निर्बलता पर विजय पाने का आवाहन किया गया है तथा समाज में समानता, स्वतंत्रता एवं समानता की स्थापना की बात कही गई है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान [PAGE 4]

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 1 | Page 4

चतुष्पदी के लक्षण लिखिए।

Solution: चतुष्पदी चैपाई की भाँति चार चरणों वाला छंद होता है। इसके प्रथम, द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में पंक्तियों के तुक मिलते हैं। तीसरे चरण का तुक नहीं मिलता। प्रत्येक चतुष्पदी भाषा और विचार की दृष्टि से अपने आप में पूर्ण होती है और कोई चतुष्पदी किसी दूसरी से संबंधित नहीं होती।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 2 | Page 4

रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम -

Solution: त्रिलोचन जी के कुल पाँच काव्य संग्रह हैं - (1) धरती (2) दिगंत (3) गुलाब और बुलबुल (4) उस जनपद का कवि हूँ (5) सब का अपना आकाश।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान [PAGE 4]

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 1 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

अतिथि आए है, घर में सामान नही है ।

Solution: अतिथि आए **हैं** , घर में सामान नहीं है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 2 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

परंतु अग्यान भी अपराध है।

Solution: परंतु **अज्ञान** भी अपराध है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 3 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

उसके सत्य का पराजय हो जाता है ।

Solution: **उसका** सत्य **पराजित** हो जाता है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 4 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

प्रेणा और ताकद बनकर परस्पर विकास मे सहभागी बनें ।

Solution: प्रेरणा और **ताकत** बनकर परस्पर विकास में सहभागी बनें।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 5 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

दिलीप अपने माँ-बाप की इकलौती संतान थी ।

Solution: दिलीप अपने **माता-पिता** की इकलौती संतान था।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 6 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

आप इस शेष लिफाफे को खोलकर पढ़ लीजिए ।

Solution: **शेष** आप इस लिफाफे को **खोलकर** पढ़ लीजिए।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 7 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

उसमें फुल बिछा दें।

Solution: उसमें **फूल** बिछा दें।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 8 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

कहाँ खो गई है आप।

Solution: कहाँ खो गई हैं आप?

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 9 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

एक मैं सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्ध हो गया ।

Solution: **मैंएक** सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्ध हो गया।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 10 | Page 4

निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :

चलते-चलते हमारे बीच का अंतर कम हो गया था।

Solution: हमारे बीच का अंतर **चलते-चलते** कम हो गया था।